दैनिक भारतीय बस्ती

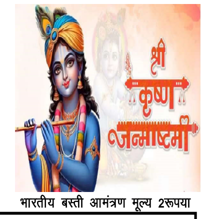

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 45 शुक्रवार 4 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

3558 लाभार्थियों में ऋण का वितरण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशानुसार मंडलीय मेगा क्रेडिट कैंप/ऋण मेले का आयोजन किया गया। मंडलीय मेगा क्रेडिट कैंप में विधायक हर्रैया प्रतिनिधि सरोज मिश्र, कप्तानगंज के गुलाब चन्द्र सोनकर, बस्ती सदर के मो० सलीम तथा एम.एल.सी. प्रतिनिधि हरीश सिंह द्वारा संयुक्त रूप से कुल 3558 लाभार्थियों को लगभग रू. 8829.84 लाख (रू. 88.30 करोड़) का ऋण वितरण किया गया। इसमें बस्ती जनपद के 1991 लाभार्थियों को रू. 5683.39 लाख, सिद्धार्थनगर के 1188 लाभार्थियों को रू. 2744.68 लाख तथा संतकबीर नगर के 379 लाभार्थियों को रू. 401.77 लाख है।

मंडलीय मेगा क्रेडिट कैंप/ऋण मेले में मंडल के सभी बैंकों ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया। बैंकों के सहभागिता के साथ विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण स्वीकृत किए गए। मंडलीय मेगा क्रेडिट कैंप/ऋण मेले में विशेष रूप से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, स्वरोजगार, लघु उद्यम तथा सौर ऊर्जा से संबंधित योजनाओं पर बल दिया गया, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लाभार्थियों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक सिद्धार्थनगर आर के सिन्हा, अग्रणी जिला प्रबंधक संतकबीर नगर पवन कुमार सिन्हा सहित मंडल के जिला समन्वयक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अग्रणी जिला प्रबंधक आर.एन.मौर्य द्वारा किया गया।

फर्जी लाइसेंस बनाने वाले 4 कर्मचारियों पर मुकदमा: सभी निलंबित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। परिवहन कार्यालय में फर्जी और गलत तरीके से ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाने के मामले में कार्रवाई हुई है। परिवहन आयुक्त कार्यालय के निर्देश पर गठित जांच समिति की रिपोर्ट में 1017 ड्राइविंग लाइसेंस पहली नजर में फर्जी पाए गए हैं। विभाग ने सभी लाइसेंसों को निलंबित कर दिया है और अब उन्हें रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परिवहन कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े डेटा और दस्तावेजों की जांच के लिए समिति गठित की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि 1017 लाइसेंस का बैकलॉग पहली नजर में फर्जी प्रतीत हो रहा है। आरोप है कि कार्यालय में काम करने वाली सेवा प्रदाता कंपनी के कर्मचारियों ने जरूरी दस्तावेजों की सही तरीके से जांच किए बिना ही इन लाइसेंसों की स्क्रूटनी कर दी।

जांच रिपोर्ट में सेवा प्रदाता कंपनी के कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध बताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि कर्मचारियों ने आपसी मिलीभगत और साजिश के तहत प्रक्रिया को अंजाम दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए परिवहन विभाग ने पुलिस कार्रवाई के निर्देश दिए।

परिवहन आयुक्त के निर्देश पर वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) माला बाजपेयी ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर सेवा प्रदाता कंपनी के चार कर्मचारियों पंकज यादव, प्रवीण यादव, अभय पाण्डेय और सुफियान अहमद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

तिब्बत में विनाशकारी बाढ़ के बाद भूकम्प का झटका

ल्हासा (आभा)। नेपाल सीमा से करीब 55 किलोमीटर दूर तिब्बत में गुरुवार को 5 तीव्रता का भूकंप आया। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र उत्तराखंड के जोशीमठ से करीब 128 किलोमीटर उत्तर–पूर्व में था और इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप जमीन की सतह से काफी कम गहराई पर आया। ऐसे भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, क्योंकि इनकी भूकंपीय ऊर्जा सतह तक जल्दी पहुंचती है और रास्ते में कम कमजोर होती है। हालांकि, फिलहाल भूकंप से किसी तरह के नुकसान या लोगों के घायल होने की खबर नहीं है।

यह भूकंप ऐसे समय आया है, जब 26 अगस्त को तिब्बत और नेपाल में आई बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई थी। इस आपदा में अब तक कुल 1280 लोगों की

मौत हो चुकी है। इनमें नेपाल में 1259 और तिब्बत में 21 लोगों की जान गई है।

भारत ने 19 सदस्यीय फोरेंसिक टीम भेजी है। यह टीम काठमांडू में नेपाल पुलिस और स्थानीय एक्सपर्ट्स के साथ काम कर रही है। टीम शवों से डीएनए सैंपल लेने, उनकी जांच और परिजन के डीएनए से मिलान में तकनीकी मदद कर रही है।

नेपाल–तिब्बत सीमा के पास आई बाढ़ के बाद तिब्बत में करीब 100 नेपाली नागरिक लापता हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तिब्बत के केरुंग इलाके में करीब 1,500 नेपाली नागरिक फंसे हुए हैं, जिन्हें सुरक्षित निकालने की तैयारी की जा रही है।

छेत्री ने यह भी बताया कि भारत में मिले कम से कम 19 शव नेपाल की भोटेकोशी नदी की बाढ़ में बहकर वहां पहुंचे थे। ये शव भोटेकोशी से त्रिशूली और नारायणी नदियों के रास्ते भारत पहुंचे।

श्याम प्रकाश शर्मा दूसरी बार कमिश्नर कोर्ट बार एसोसिशन अध्यक्ष, शब्बीर अहमद महामंत्री निर्वाचित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। गुरूवार को कमिश्नर कोर्ट बार एसोसिशन का चुनाव एल्डर्स कमेटी अध्यक्ष ओम प्रकाश नाथ मिश्र की देख रेख में सम्पन्न हुआ। सर्व सम्मत से श्याम प्रकाश शर्मा दूसरी बार अध्यक्ष, शब्बीर अहमद महामंत्री, रत्नेश श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष चुने गये।

वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने दूसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर कहा कि अधिवक्ताओं का हित सर्वोच्च है। अध्यक्ष के रूप में कमिश्नर कोर्ट बार एसोसिशन की गरिमा को और विस्तार देने के लिये उनका प्रयास जारी रहेगा। कहा कि अमेरिका, कनाडा, मलेशिया, दुबई, चीन आदि देशों की यात्रा के दौरान विधि क्षेत्र में उन्हें जो ज्ञान मिला है उसका पूरी निष्ठा से सदुपयोग किया जायेगा।

कमिश्नर कोर्ट बार एसोसिशन पदाधिकारियों के चुनाव पर मुख्य रूप से राम प्रसन्न मिश्र, गणेशशंकर मणि त्रिपाठी, टी.एन. लाल, महेश श्रीवास्तव, राजकुमार श्रीवास्तव, विनय बख्शी, जगदीश स्वरूप, गंगा प्रसाद श्रीवास्तव, सिविल बार अध्यक्ष रमाशंकर पाण्डेय, यंग बार अध्यक्ष विनोद भट्ट, जनपद बार अध्यक्ष जवाहर मिश्र आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

जी.वी.एम. स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव की धूम

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जी. वी. एम. कान्वेंट स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव एवं टीचर्स–प्यूपिल्स डे बड़े ही उमंग एवं उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में बच्चों ने प्रतिभाग किया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में नर्सरी के बच्चे राधा–कृष्ण के गेट–अप में सज–धज कर विद्यालय आये। बच्चों ने माखन की मटकिया फोड़ी एवं खूबसूरत नृत्य के साथ समां बांध दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती विजयलक्ष्मी सिंह ने बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि विद्यालय बच्चों को शिक्षा देने के अतिरिक्त उनके सर्वांगीण विकास के लिए हमारे देश में मनाये जाने वाले सभी त्योहारों में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करवाता है, जिससे उनके अन्दर की छिपी प्रतिभा का निखार होता है। बच्चे विभिन्न वेशभूषाओं में बड़े ही आकर्षक लग रहे थे।

बच्चो के उत्साह वर्धन हेतु स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती विजय लक्ष्मी सिंह ने उन्हें पुरस्कृत किया और प्रमाणपत्र प्रदान किया । इस अवसर पर इस अवसर पर शिवानी, ममता, हिना, रेशमा, प्रतीक्षा, सूरज, राकेश, राजेश, साकेत, पवन, गिरीश, मिनाक्षी, सावित्री, सुचिता, नमरा, निगहत, दिवाकर, प्रवीन, अरविन्द, सुशील, नीरज, महिमा, आदि शिक्षक एंव शिक्षिकाए उपस्थित रहे ।

भाजपा प्रदेश मन्त्री रजनी पाण्डेय ने किया बूथों का भौतिक सत्यापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। भाजपा प्रदेश मंत्री रजनी पाण्डेय ने जिले के प्रवास के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा और बूथ स्तर पर भौतिक सत्यापन किया।

प्रदेश मंत्री रजनी पाण्डेय का विक्रमजोत मंडल में जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र एवं कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। स्वागत के बाद प्रदेश मंत्री ने जिले के विभिन्न मंडलों का दौरा कर संगठन को और अधिक मजबूत तथा सक्रिय बनाने के सम्बन्ध में मार्गदर्शन और दिशा–निर्देश दिए।

प्रदेश मंत्री द्वारा विक्रमजोत, हरैया, कप्तानगंज एवं बस्ती सदर मंडलों में कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर बूथ स्तर पर संगठन की वर्तमान स्थिति की सम्यक् समीक्षा की गई।रजनी पांडे ने स्वयं कई बूथों का दौरा कर बूथ अध्यक्षों, बूथ प्रभारियों तथा बूथ संयोजकों से संवाद किया तथा बूथ समितियों के भौतिक सत्यापन की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली।

उन्होंने बूथ समिति के सदस्यों से चर्चा कर संगठनात्मक गतिविधियों, कार्यकर्ताओं की सक्रियता तथा बूथ स्तर पर पार्टी की तैयारियों का अवलोकन किया। प्रदेश मंत्री ने कहा कि भाजपा की वास्तविक शक्ति बूथ से ही निकलती है और प्रत्येक बूथ को मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाना संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यकर्ताओं से उन्होंने एकजुटता और आपसी समन्वय के साथ संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया।

प्रवास के समापन पर जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र की मौजूदगी में जिले भर के समस्त बूथों की विस्तृत समीक्षा आयोजित की गई, जिसमें बूथ समितियों के सत्यापन तथा संगठनात्मक कार्यों की प्रगति पर गहन चर्चा हुई।

इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष यशकान्त सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष सुशील सिंह, जिला उपाध्यक्ष अखंड सिंह, जिला महामंत्री अमित कुमार वर्मा, जिलामित्र सुनील सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्री योगेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह, विनोद चधरी, चंद्रमणि पांडे, सुदामा, विक्रम जोत मंडल अध्यक्ष अमरनाथ शर्मा, हरैया मंडल अध्यक्ष शिवचरण जायसवाल, कप्तानगंज मंडल अध्यक्ष गौरव त्रिपाठी, बस्ती सदर मंडल अध्यक्ष तारक जायसवाल, हनुमान प्रसाद, भोलू एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

1 इन्सपेक्टर, 13 दारोगा समेत 27 पुलिसकर्मियों का तबादला: वाल्टरगंज में नये प्रभारी निरीक्षक की तैनाती

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जनपद में में शांति और कानून व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह और जनपदीय पुलिस स्थापना बोर्ड के निर्देश पर कुल 27 पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण किया गया है। इनमें 1 निरीक्षक, 13 उपनिरीक्षक, 6 मुख्य आरक्षी और 7 आरक्षी शामिल हैं। कई थानों और पुलिस चौकियों पर नई तैनाती की गई है। जारी स्थानांतरण सूची के अनुसार निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार राय को पुलिस लाइन से प्रभारी निरीक्षक थाना वाल्टरगंज बनाया गया है। उपनिरीक्षक अमित कुमार और राम पाल को पुलिस लाइन से थाना वाल्टरगंज भेजा गया है। उपनिरीक्षक साहेब कुमार को पुलिस लाइन से चौकी उमरिया, थाना दुबौलिया और राधारमण यादव को चौकी उमरिया से चौकी अमोढ़ा, थाना छावनी भेजा गया है। शैलेंद्र सिंह को चौकी अमोढ़ा से थाना छावनी और संजय कुमार को पुलिस लाइन से चौकी महसों, थाना लालगंज भेजा गया है। बलिराम गौड़ को पुलिस लाइन से चौकी सिविल लाइन, थाना कोतवाली भेजा गया है। सुनील गौड़ को चौकी सिविल लाइन से वरिष्ठ उपनिरीक्षक थाना पुरानी बस्ती और सुधीर कुमार त्रिपाठी को थाना कोतवाली से चौकी अमहट भेजा गया है।

अनुपम त्यागी को चौकी अमहट से चौकी प्लास्टिक कॉम्प्लेक्स भेजा गया है। वहीं संतोष दुबे का स्थानांतरण चौकी प्लास्टिक कॉम्प्लेक्स से थाना रुधौली, सत्यनारायण यादव का पुलिस लाइन से थाना दुबौलिया और सुभाष चंद का पुलिस लाइन से थाना हरैया किया गया है।

मुख्य आरक्षी आशीष पांडेय को कार्यालय अपर पुलिस अधीक्षक से थाना कप्तानगंज भेजा गया है। शक्ति प्रताप सिंह को हेड मुहर्रिर थाना कोतवाली से पुलिस लाइन और विनय कुमार को पुलिस लाइन से हेड मुहर्रिर थाना कोतवाली बनाया गया है। धीरेन्द्र कुमार दुबे को थाना रुधौली से थाना नगर और जयसिंह चौरसिया को थाना रुधौली से थाना वाल्टरगंज भेजा गया है। वहीं धीरज यादव का थाना कोतवाली से थाना सोनहा किया गया स्थानांतरण निरस्त कर उन्हें पुलिस लाइन भेजा गया है। आरक्षियों में तनुजा सिंह को पुलिस लाइन से थाना छावनी, रेनू यादव को वन स्टॉफ सेंटर से थाना कप्तानगंज और प्रियंका वर्मा को महिला थाना से थाना पैकोलिया भेजा गया है। अन्नपूर्णा पांडेय को पुलिस लाइन से थाना सोनहा, अंजली मौर्य को पुलिस लाइन से थाना कलवारी, काजल विश्वकर्मा को थाना छावनी से पुलिस लाइन और दीप्ति सिंह को थाना हरैया से पुलिस लाइन भेजा गया है। पुलिस विभाग के इस फेरबदल के बाद संबंधित थानों और चौकियों पर नई तैनाती के अनुसार पुलिसकर्मी अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे।

जातिवार जनगणना में ओबीसी की अलग गणना की मांग बस्ती की चारों तहसीलों में अनिश्चितकालीन धरना शुरू

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जातिवार जनगणना– 2027 में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की अलग से गणना कराने समेत विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिले में क्रमिक अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन शुरू हो गया है। बस्ती सदर, हर्रैया, भानपुर और रुधौली तहसील मुख्यालयों पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने धरना देकर केंद्र सरकार से जातिवार जनसंख्या की वैज्ञानिक, सटीक एवं विश्वसनीय गणना सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

धरने को आर.के. आरतियन, पूर्वांचल जोन अध्यक्ष भारत मुक्ति मोर्चा तथा हृदय गौतम, मण्डल अध्यक्ष बीएमपी ने भी सहभागिता की और आंदोलन को समर्थन दिया। दोनों नेताओं ने जातिवार जनगणना में ओबीसी की अलग एवं प्रमाणिक गणना की मांग को महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यकर्ताओं से आन्दोलन को संगठित ढंग से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मोर्चा के अनुसार यह क्रमिक अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन 2 सितंबर 2026 से शुरू हुआ है और मांगों को लेकर आगे भी आंदोलन जारी रहेगा।

मोर्चा की ओर से जारी ज्ञापन में कहा गया है कि जनगणना–2027 में जातिवार जनसंख्या की गणना सामाजिक नीति निर्माण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन का आरोप है कि जनगणना के पहले चरण में ओबीसी का आकलन नहीं किया गया और दूसरे चरण में भी ओबीसी की गणना को लेकर स्पष्ट व्यवस्था नहीं की गई है। संगठन ने जाति आधारित जनगणना के लिए खुले कॉलम के स्थान पर मानकीकृत कोड आधारित प्रणाली लागू करने की मांग की है।

मोर्चा की प्रमुख मांगों में एससी–एसटी की तरह ओबीसी की

अलग से गणना, राज्यवार आधिकारिक एवं व्यापक मास्टर जाति निर्देशिका तैयार करना, प्रत्येक जाति को विशिष्ट कोड देना, अनियंत्रित 'ओपन कॉलम' के स्थान पर मानकीकृत विकल्प आधारित व्यवस्था लागू करना तथा असूचीबद्ध एवं स्थानीय जातियों के सत्यापन के लिए स्पष्ट संस्थागत व्यवस्था बनाना शामिल है। साथ ही जाति संबंधी आंकड़ों के संग्रह, सत्यापन और संकलन की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित एवं ऑडिट योग्य बनाने की मांग की गई है।

हर्रैया तहसील में धरने का नेतृत्व एडवोकेट विजय प्रताप विक्रम चौहान, तहसील प्रभारी एवं पूर्वांचल जोन प्रभारी ने किया। इस दौरान बुद्धेश राना, राम कुमार, प्रदीप कुमार, रजनीश कुमार, सुग्रीव चौधरी, एडवोकेट रघुनंदन आजाद, एडवोकेट शत्रुघ्न निषाद और पारसनाथ सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। विजय प्रताप विक्रम चौहान ने कहा कि जातिवार जनगणना में ओबीसी की सही संख्या दर्ज होना जरूरी है, क्योंकि इसी के आधार पर सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है। उन्होंने मांगों को लेकर आंदोलन को आगे भी जारी रखने की बात कही।

बस्ती सदर तहसील में धरने का नेतृत्व राय सुमेर यादव, जिला प्रभारी ने किया। यहां सुनील यादव, ठाकुर प्रेम नंदवंशी, दीपक कुमार, डॉ. रिफाकत अली, कृपा शंकर चौधरी आदि मौजूद रहे। राम सुमेर यादव ने कहा कि ओबीसी की वास्तविक जनसंख्या सामने आने के बाद ही सरकार की योजनाओं और प्रतिनिधित्व से संबंधित नीतियों का सही मूल्यांकन संभव होगा। उन्होंने जातिवार आंकड़ों के संग्रह में पारदर्शिता और वैज्ञानिक प्रक्रिया अपनाने पर जोर दिया।

भानपुर तहसील में तहसील संयोजक चन्द्रशेखर चौधरी के नेतृत्व में प्रदर्शन हुआ। इसमें किस्मता, वंदना, चंद्र प्रकाश गौतम, राम ललित, मो. अजीम, राम विलास यादव आदि शामिल रहे। वक्ताओं ने ओबीसी की अलग गणना और प्रत्येक जाति के आंकड़ों को व्यवस्थित एवं प्रमाणिक तरीके से दर्ज करने की मांग की।

रुधौली तहसील में तहसील संयोजक केशराम चौधरी के नेतृत्व में धरना दिया गया। यहां कुंवर भीम, मनोज शर्मा, सुभाष सोनी, दिलीप मौर्य आदि मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जातिवार जनगणना के आंकड़े सही तरीके से दर्ज किए जाने चाहिए, ताकि भविष्य में आंकड़ों को लेकर किसी तरह का भ्रम न रहे।

नगर पंचायत नगर बाजार में नागरिक सुविधाओं का मुख्य राजस्व अधिकारी ने किया निरीक्षण, दिया निर्देश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नगर पंचायत नगर बाजार में नागरिक सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था तथा विकास परियोजनाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए गुरूवार को प्रातः 06.00 बजे मुख्य राजस्व अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी (नगरीय निकाय) कीर्ति प्रकाश भारती द्वारा उप जिलाधिकारी राजेश कुमार यादव के साथ औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होने प्रातः कालीन सफाई व्यवस्था, अपशिष्ट प्रबंधन, पेयजल आपूर्ति तथा निर्माणाधीन बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं की गुणवत्ता का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

निरीक्षण की शुरुआत वार्ड संख्या 2 (संत रविदास नगर) से की गई। यहाँ अधिकारियों ने सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की साफ–सफाई तथा चालू स्थिति का अवलोकन किया। इसके उपरांत रैन बसेरा तथा स्थानीय मंदिर की ओर जाने वाले प्रमुख मार्ग का निरीक्षण कर, वहाँ स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वार्ड में डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन कचरे के पृथक्कीकरण की व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान

अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से सीधे बातचीत कर नगर पंचायत द्वारा दी जा रही सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया और उनकी समस्याओं को जल्द से जल्द निस्तारित करने का आश्वासन दिया।

इसके पश्चात अधिकारियों ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के तहत संचालित एम.आर.एफ. सेंटर का गहन निरीक्षण किया। सेंटर पर कचरे के छंटाई व निस्तारण की कार्यप्रणाली की जांच की गई तथा जिम्मेदार कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। इसके बाद वार्ड संख्या 9 के मुख्य मार्ग एवं प्रमुख बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। बाजार क्षेत्र में नियमित झाड़ू लगाने, बड़े नालों की तली झाड़, सफाई तथा नागरिकों के लिए लगाए गए सार्वजनिक वॉटर कूलरों की कार्यशीलता व शुद्ध पेयजल की उपलब्धता का बारीकी से निरीक्षण किया गया।

आगामी मौसम एवं जल निकासी की समस्या को देखते हुए क्षेत्र में संभावित जलभराव वाले संवेदनशील स्थलों का चिन्हिकरण कर समीक्षा की गई। इसके साथ ही नगर क्षेत्र में चल रहे नाला निर्माण कार्य का भौतिक सत्यापन किया गया। निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रयुक्त सामग्री तथा कार्य की प्रगति की जांच करते हुए संबंधित ठेकेदार एवं तकनीकी अधिकारियों को गुणवत्ता से कोई समझौता किए बिना निर्माण कार्य को समय सीमा के भीतर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत नगर बाजार सृष्टि सिंह एवं मंडल कार्यक्रम प्रबंधक (स्वच्छ भारत मिशन नगरीय) अमरेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहें।

निरीक्षण के अंत में मुख्य राजस्व अधिकारी द्वारा नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी एवं सफाई नायकों को निर्देशित किया गया कि प्रातःकालीन सफाई व्यवस्था तथा निकाय के प्रत्येक घरो से नियमित कूड़ा कलेक्शन में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सार्वजनिक स्थलों पर नियमित स्वच्छता बनाए रखना तथा आम नागरिकों हेतु शुद्ध पेयजल व्यवस्था अनिवार्य होगा।

जमीन बचाने के लिए दर–दर भटक रहा दिव्यांग, डीएम से लगाई गुहार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। अपने हक की जमीन को सुरक्षित रखने और उसकी सही पैमाइश व सीमांकन कराने के लिए एक दिव्यांग व्यक्ति को तहसील से लेकर जिला प्रशासन तक चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। लाठी के सहारे चलने वाले पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के बारीटोला निवासी कृष्ण कुमार पुत्र घोलर प्रसाद ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अपने जमीन के शीघ्र पैमाइश और सीमांकन कराने की मांग की है। पीड़ित के अनुसार उसकी भूमि गाटा/खसरा संख्या 1705/0.0640 हेक्टेयर बारी टोला में स्थित है। उक्त भूमि राजस्व अभिलेख/खतौनी में उसके नाम दर्ज है। कृष्ण कुमार का आरोप है कि जमीन की सही पैमाइश और सीमांकन न होने के कारण उसे अपनी भूमि को लेकर परेशानी का

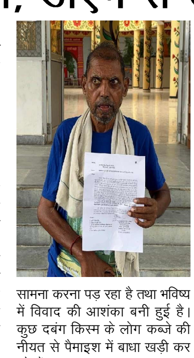

सामना करना पड़ रहा है तथा भविष्य में विवाद की आशंका बनी हुई है। कुछ दबंग किस्म के लोग कब्जे की नीयत से पैमाइश में बाधा खड़ी कर रहे हैं।

प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि पीड़ित ने पूर्व में संबंधित लेखपाल, राजस्व विभाग और उपजिलाधिकारी के समक्ष भी प्रार्थना पत्र दिया था, लेकिन अब तक भूमि की पैमाइश नहीं हो सकी। लंबे समय से कार्रवाई नहीं होने के कारण पीड़ित परेशान है। दिव्यांग होने के चलते उसके लिए बार–बार तहसील के चक्कर लगाना भी बेहद कठिन हो रहा है।

पीड़ित ने जिलाधिकारी से मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित उपजिलाधिकारी/तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल को निर्देशित कर भूमि की शीघ्र पैमाइश एवं सीमांकन कराने और आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। अब देखना है कि जिला प्रशासन इस मामले में कितनी शीघ्रता से कार्रवाई करता है और दिव्यांग पीड़ित को उसकी जमीन की सुरक्षा को लेकर राहत मिलती है या नहीं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 सितम्बर 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

निष्पक्ष चुनाव के यक्ष प्रश्न

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत—फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा—तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक—तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय—सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है।

निस्संदेह, स्वतंत्र—निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ—स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान—निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं। इन अधिकारियों का आरोप है कि अतिरिक्त कार्य—दबाव का उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। वहीं चुनाव आयोग का आरोप है कि कुछ अधिकारियों की लापरवाही के चलते प्रक्रिया की निष्पक्षता व पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। वैसे यदि वास्तव में बीएलओ पर अतिरिक्त दबाव है तो चुनाव आयोग को इस मुद्दे का समाधान संवेदनशील ढंग से करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर मतदाता पहचान से जुड़े प्रमाणपत्रों को जुटाने में आ रही परेशानियों के चलते लोग भी बीएलओ पर दबाव बनाते हैं। कई राज्यों में बीएलओ संगठनों ने प्रदर्शन करके अधिक समय दिए जाने की मांग भी की है। कुछ लोग चुनाव आयोग की जल्दबाजी को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि दो—तीन महीने का काम एक माह में पूरा नहीं किया जा सकता। वे समय पर दायित्व न निभा पाने वाले बीएलओ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को अनुचित बताते हैं।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

भगवान कृष्ण का जन्मदिन हजारों वर्षों बाद भी जीवंत है, यह मानव मन को स्पर्श करता रहा है। जन्माष्टमी उस भगवान का जन्मदिन है जिनका जीवन परम ब्रह्म, परम आत्मा की परिपूर्णता को दर्शाता है। श्री कृष्ण ने अपना बचपन किसी राजकुमार या सम्राट की तरह नहीं बिताया। उनका जन्म एक कारागार में हुआ था, जो इस बात का प्रतीक है कि जीव हजारों जन्मों से कैद है। यदि आप कैदियों को देखना चाहते हैं, तो आपको बस जेल जाना होगा। एक ओर श्री कृष्ण कैदियों को रिहा करने के लिए जेल जाते हैं, वहीं दूसरी ओर वे ज्ञानियों (आत्म—साक्षात्कार प्राप्त पुरुषों) के अनुसार पूर्ण स्वतंत्रता का आनंद लेते हैं। भगवान कृष्ण का जन्मदिन रहस्यमय है। सर्वव्यापी परम ब्रह्म, जिन्होंने मनुष्य की आवश्यकता और महत्व को समझते हुए, समाज के प्रत्येक स्तर के व्यक्तियों की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न आयामों का आविष्कार और स्वीकृति दी, वही भगवान कृष्ण का अवतार हैं। सर्वव्यापी परम ब्रह्म का अवतार, जो गायन, नृत्य, भोजन, पोषण और जीवन का आनंद लेने के द्वारा जीव (व्यक्तिगत आत्मा) को उसकी अंतर्निहित महानता में जागृत करने वाले गुणों से युक्त रूप धारण करते हैं, भगवान कृष्ण का अवतार है।

श्री कृष्ण ने अपना बचपन किसी राजकुमार या सम्राट की तरह नहीं बिताया। उनका जन्म एक कारागार में हुआ था, जो इस बात का प्रतीक है कि जीव हजारों जन्मों से कैद है। यदि आप कैदियों को देखना चाहते हैं, तो आपको बस जेल जाना होगा। एक ओर श्री कृष्ण कैदियों को रिहा करने के लिए जेल जाते हैं, वहीं दूसरी ओर वे ज्ञानियों (आत्म—साक्षात्कार प्राप्त पुरुषों) के अनुसार पूर्ण स्वतंत्रता का आनंद लेते हैं।

भगवान कृष्ण पूर्ण अवतार हैं, इसलिए सभी ने उनके स्वरूप को अपने—अपने दृष्टिकोण से देखा। ग्वालों ने कृष्ण को मित्र के रूप में, पहलवानों चानुर और मुष्टिक ने पहलवान के रूप में, कंस को मृत्यु के रूप में, योगियों ने योगियों के स्वामी के रूप में, भक्तों ने भगवान के रूप में, ग्वालियों ने अपने प्रिय के रूप में और वासुदेव को उनके पुत्र के रूप में देखा। वेदांत कहता हैरू श्वही कृष्ण, वही चेतना विभिन्न स्थानों पर अनेक रूप धारण करते हैं — पुत्र, प्रिय, मृत्यु, जीवन, स्वयं के और परदेसी के रूप में। ब्रह्मांड की सृष्टि और संहार हमारे वश में नहीं है, लेकिन जीवन अवश्य हमारे वश में है। इसलिए हमारे आनंदमय गीत इसी जीवन में गूंजने चाहिए, इसीलिए परम नारायण भगवान विष्णु ने एक प्यारे शिशु रूप में अवतार लिया, इस रूप का नाम श्री कृष्ण है। हमें श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर जीवन संवारना होगा।

मौलिक अधिकारों के लिये न्यायिक पहल

—डा. जगदीप सिंह—

सुप्रीम कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में छात्र प्रदर्शनों से जुड़ी एफआईआर रद्द कर दी। निर्णय अभिव्यक्ति की आजादी, शांतिपूर्ण विरोध के हक और लोकतांत्रिक मूल्यों को संरक्षण व मजबूती देने वाला है। इस निर्णय का मकसद है कि सही मंशा वाले प्रदर्शनकारी युवाओं का भविष्य प्रभावित नहीं हो।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसला सुनाया है, जो पूरे देश के युवाओं के लिए राहतकारी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अनुच्छेद 142 की असाधारण शक्ति का इस्तेमाल करते हुए जंतर—मंतर और देशभर में हुए छात्र प्रदर्शनों से जुड़ी सभी एफआईआर को रद्द कर दिया। अदालत ने साफ कहा कि सद्भावना से आए युवाओं का भविष्य आपराधिक मामलों की छाया में नहीं रहना चाहिए। यह निर्णय सिर्फ कानूनी राहत नहीं। यह भारतीय लोकतंत्र की आत्मा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और छात्रों के अधिकारों की पुष्टि है।

ये प्रदर्शन नीट—यूजी पेपर लीक, परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी, पारदर्शिता की कमी और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर शुरू हुए थे। दिल्ली पुलिस ने अकेले इस अवधि में 13 एफआईआर दर्ज की थीं। हजारों छात्र देश के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली आए और जंतर—मंतर पर जमा हुए। प्रदर्शन जल्द ही कई राज्यों में फैल गया। केंद्र सरकार के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र तथा असम आदि की सरकारों ने अदालत में अर्जी दायर कर इन मामलों को रद्द करने की अनुमति मांगी। अदालत ने न सिर्फ इन अर्जियों को स्वीकार किया, बल्कि पूरे देश पर अपना आदेश लागू कर दिया। किसी भी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश में उसी घटना से जुड़ी एफआईआर अगर अभी तक सामने नहीं आई, तो उसे भी बंद माना जाएगा। कोई नई एफआईआर भी दर्ज नहीं की जा सकेगी। ये निर्देश पूरे भारत पर लागू होते हैं। इससे साफ होता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किसी एक शहर या घटना तक सीमित नहीं, यह पूरे देश के नागरिकों का अधिकार है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(क) हर नागरिक को वाक्‌ एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार देता है। इसमें शांतिपूर्ण सभा और विरोध का अधिकार भी शामिल है। जंतर—मंतर पर छात्र इसलिए इकट्ठा हुए थे, क्योंकि वे परीक्षा व्यवस्था की खामियों और अपने भविष्य की चिंताओं को लेकर आवाज उठाना चाहते थे। प्रदर्शन लोकतंत्र का स्वस्थ लक्षण है। जब प्रशासन इस आवाज को दबाने के लिए एफआईआर का सहारा लेता है, तो संविधान का मूल उद्देश्य कमजोर पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने ठीक यही कमजोरी दूर की। अदालत ने कहा कि युवा प्रदर्शनकारी, जो सद्भावना से आए थे, उनके खिलाफ मामले आगे नहीं बढ़ाए जाएंगे। यह फैसला लोकतंत्र को मजबूत बनाता है, क्योंकि लोकतंत्र सिर्फ चुनाव तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र में नागरिकों को बिना भय के अपनी बात कहने, नीतियों पर सवाल उठाने और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जताने का अधिकार होना चाहिए। अगर उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज कर दिए जाएं, तो युवा पीढ़ी चुप हो जाएगी।

निस्संदेह, अनु.—19 की स्वतंत्रता असीमित नहीं है। संविधान स्वयं अनुच्छेद—19(2) में उचित प्रतिबंधों का प्रावधान करता है। हिंसा, तोड़फोड़ या गंभीर अपराध करने वालों को राहत नहीं मिलनी चाहिए। अदालत ने ठीक यही संतुलन बनाया। दिल्ली पुलिस को उन लगभग 2,873 व्यक्तियों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दी गई, जिनके गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड हैं। हत्या, बलात्कार, अपहरण जैसे मामलों वाले लोग इस राहत के दायरे से बाहर हैं। यह फैसला दिखाता है कि अदालत स्वतंत्रता और व्यवस्था दोनों की रक्षा कर रही है। शांतिपूर्ण आवाज को जगह दी गई, लेकिन अपराध को बर्दाश्त नहीं किया गया। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह आदेश विशिष्ट परिस्थितियों में दिया गया है और मिसाल के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

युवा आबादी देश की सबसे बड़ी ताकत है। परीक्षा प्रणाली, रोजगार और शिक्षा की गुणवत्ता उनके जीवन को तय करती है। जब वे इन मुद्दों पर बोलते हैं, तो उन्हें आपराधिक रंग में रंगना गलत है। एफआईआर का बोझ उनके कैरियर, मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। कई छात्र नौकरी, उच्च शिक्षा या विदेश जाने की तैयारी में होते हैं। आपराधिक केस उनके सपनों पर पानी फेर सकता है।

अदालत ने केंद्र सरकार के उन आश्वासनों को भी नोट किया, जिसमें मुआवजे और मामलों को आगे न बढ़ाने की बात कही गई थी। नीट पेपर लीक के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को तीन महीने के अंदर मुआवजा देने का आश्वासन भी रिकॉर्ड किया गया। इससे साफ है कि न्यायपालिका, कार्यपालिका और नागरिक समाज मिलकर लोकतंत्र को मजबूत कर सकते हैं। यह निर्णय भारतीय न्यायपालिका की उस परंपरा को आगे बढ़ाता है, जिसमें मौलिक अधिकारों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार इसलिए जरूरी है कि सत्ता हमेशा सही नहीं होती। परीक्षा व्यवस्था में खामियां, पेपर लीक होना या पारदर्शिता की कमी—ये मुद्दे सिर्फ छात्रों के नहीं, पूरे समाज के हैं। जब छात्र इन मुद्दों को उठाते हैं, तो समाज में चेतना जगाते हैं।

यह फैसला लोकतंत्र के लिए ऐतिहासिक है। अब कोई भी प्रशासन शांतिपूर्ण प्रदर्शन को आसानी से आपराधिक रंग नहीं दे सकेगा। युवाओं में विश्वास बढ़ेगा कि उनकी आवाज सुनी जाएगी। लोकतंत्र की जड़ें और गहरी होंगी। छात्रों पर अंधाधुंध एफआईआर का रास्ता बंद हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने उस आवाज को कानूनी संरक्षण दिया है। अनुच्छेद—19 अब सिर्फ किताबों में नहीं, बल्कि सड़कों पर भी जिंदा है। युवा पीढ़ी को यह संदेश मिला है कि संविधान उनके साथ है। लोकतंत्र उनके साथ है। और न्याय उनके पक्ष में है।

—लेखक असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।

नेपाल की त्रासदी से सबक ले भारत

—ललित गर्ग—

नेपाल में 26 अगस्त 2026 को आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ—पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा, जिससे बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह पैदा हुआ। इसने नदी के प्रवाह को अवरुद्ध किया और बाद में जमा पानी तथा मलबे के दबाव से अचानक विनाशकारी बाढ़ आई। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे घटनाक्रम को केवल सामान्य बाढ़ कहना भूल होगी, यह ग्लेशियर, भूस्खलन, मलबा—प्रवाह और नदी—बाढ़ जैसे अनेक खतरों के एक साथ सक्रिय होने वाली 'बहु—आपदा' का उदाहरण है।

इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल—सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है। नेपाल में 1920 के दशक से अब तक 90 से अधिक ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ दर्ज की जा चुकी हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि नेपाल की घटना का एकमात्र कारण ग्लोबल वार्मिंग ही है। भूकंपीय गतिविधियां, भूगर्भीय अस्थिरता, अत्यधिक वर्षा, हिमस्खलन और प्राकृतिक ढलानों की कमजोरी भी महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन इन जोखिमों को बढ़ाने वाली पृष्ठभूमि अवश्य तैयार कर रहा है। गर्म होता हिमालय ग्लेशियरों और पर्वतीय भूभाग को अस्थिर कर रहा है, जिससे ऐसी घटनाओं की संभावित तीव्रता और व्यापकता बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात पर सावधानी बरती है कि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करने के बजाय दीर्घकालिक जलवायु और भूगर्भीय बदलावों को साथ देखकर समझना चाहिए।

नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार—बार आने वाली बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। हिमालय में सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, बस्तियां और अन्य निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के नाम पर तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इनके लिए पर्वतीय पर्यावरण की वहन क्षमता का पर्याप्त आकलन हो रहा है? विकास जरूरी है, मगर ऐसा विकास जो पहाड़ों को खोखला करके ही संभव हो, अंततः मानव जीवन और स्वयं विकास दोनों के लिए संकट बन सकता है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता 'आपदा के बाद राहत' से आगे बढ़कर 'आपदा से पहले तैयारी' की है। अत्याधुनिक सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन, रडार, नदी सेंसर, ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की निरंतर निगरानी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूर्वानुमान प्रणालियों को हिमालयी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर विकसित करना होगा। शुरुआती चेतावनी प्रणाली केवल राजधानी या प्रशासनिक केंद्र तक सीमित न रहे, बल्कि पहाड़ के अंतिम गांव तक मोबाइल संदेश, सायरन, रेडियो और स्थानीय स्वयंसेवी तंत्र के माध्यम से पहुंचे। नेपाल में वर्तमान त्रासदी के बाद भी एक और संभावित झील के फटने की आशंका ने स्पष्ट कर दिया है कि एक आपदा समाप्त होते ही दूसरी आपदा का खतरा पैदा हो सकता है।

नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भोटेकोशी जैसी सीमापार नदी प्रणालियों के लिए नेपाल, चीन, भारत और अन्य हिमालयी देशों के बीच वास्तविक समय में जल—प्रवाह, वर्षा, भूस्खलन, ग्लेशियर झील और हिमस्खलन संबंधी सूचनाओं का आदान—प्रदान आवश्यक है। किसी एक देश के पास उपलब्ध महत्वपूर्ण चेतावनी दूसरे देश के नागरिकों की जान बचा सकती है। अतः हिमालय के लिए एक साझा क्षेत्रीय आपदा—पूर्व चेतावनी नेटवर्क विकसित किया जाना चाहिए। भारत को इस दिशा में अपने हिमालयी राज्यों के लिए अलग 'माउंटेन सेफ्टी पॉलिसी' पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क या सुरंग बनाने से पहले भूगर्भीय जोखिम, जलधाराओं के प्राकृतिक मार्ग, भूस्खलन की संभावना और स्थानीय पारिस्थितिकी का वैज्ञानिक मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। अंधाधुंध वृक्ष कटाई, नदी किनारे अनियोजित निर्माण, पहाड़ों की अनावश्यक कटाई और पर्यटन के नाम पर अत्यधिक दबाव को नियंत्रित करना होगा। स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति बनाना होगा, क्योंकि किसी भी संकट में सबसे पहले वही लोग प्रभावित होते हैं और वही सबसे पहले सहायता भी कर सकते हैं।

दुनिया को जापान, स्विट्जरलैंड और अन्य पर्वतीय देशों से आपदा—प्रबंधन, भवन सुरक्षा, पूर्व चेतावनी और स्थानीय प्रशिक्षण की तकनीक सीखनी चाहिए। हिमालय को केवल पर्यटन और आर्थिक विकास का क्षेत्र मानना अब पर्याप्त नहीं है इसे एक जीवित, संवेदनशील और अत्यंत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना होगा। प्रकृति को नियंत्रित करने की मनुष्य की महत्वाकांक्षा जितनी बढ़ेगी, प्रकृति का प्रतिरोध भी उतना ही भयावह हो सकता है। नेपाल की त्रासदी इसलिए केवल शोक मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का क्षण है। हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को जीतना नहीं, उनके साथ जीना सीखना होगा। विकास की गति को प्रकृति की क्षमता के अनुरूप करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना, वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना और सीमापार सहयोग बढ़ाना ही भविष्य की राह है। यदि इस त्रासदी से भारत और दुनिया ने समय रहते सबक ले लिया, तो नेपाल में बहा हुआ पानी केवल विनाश की कहानी नहीं रहेगा, वह आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने की चेतावनी और नई पर्यावरणीय चेतना का संदेश भी बनेगा।

डॉ.राधाकृष्णन और शिक्षक दिवस

—डा. विनोद बब्बर—

5 सितंबर महान दार्शनिक भारत के राष्ट्रपति रहे सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन जी के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की परम्परा है। शिक्षक दिवस है तो 'गुरु गोविंद दोउ खड़े, काके लागू पाय' से 'शिक्षक राष्ट्र निर्माता है', 'युग निर्माता है' की गूंज तो होगी ही लेकिन इस शब्दजाल और नारों से हटकर समझना जरूरी है कि क्या हम शिक्षक को पर्याप्त सम्मान और उपयुक्त वातावरण उपलब्ध करा भी पा रहे हैं या नहीं? यदि नहीं तो ये नारे आत्म प्रवंचना के अतिरिक्त क्या हैं? समाज से छल नहीं और क्या हैं?

शिक्षक को गुरु मानने की परम्परा पीछे छूट चुकी है क्योंकि हमने शिक्षक को शिक्षक से अधिक डेटा एंट्री ऑपरेटर बना दिया है। उसे दिनभर पोर्टल पर तरह—तरह की जानकारी देने के आदेशों का पालन करना है। एक शाम घर लौटने पर वृद्ध पिता ने आज के शिक्षक पुत्र से पूछा, 'बेटा, आज स्कूल में क्या पढ़ाया?' कुछ क्षण मौन रहने के बाद वह धीरे से बोले, 'नौकरी करनी है तो पोर्टलों को संतुष्ट करना बाध्यता है इसलिए शिक्षा कम परंतु तरह—तरह के सूचनाएं जुटाने और उन्हें सबमिट करने में पूरा दिन व्यतीत हो जाता है। बार—बार फड़फड़ाते ऐप और पोर्टल को बताना पड़ा कि विद्यालय सक्रिय है, छात्र उपस्थित हैं, मिड डे मील जांचने से बांटने तक सब हो गया है, भेजे गए पोस्टर यथा स्थान टांग दिये गए हैं, वगैरह, वगैरह। इन सब में उलझे शिक्षक को कक्षा में पढ़ाने का कितना समय मिला, इसकी चिंता किसी पोर्टल, ऐप या व्यवस्था को नहीं है। केवल इतना नहीं, इन सबके बाद भी शिक्षक को द्वार—द्वार जाकर जनगणना, मतगणना, मतदाता विशेष निरीक्षण (एसआईआर), से मतदान सहित ऐसे अनेक कार्य करने पड़ते हैं जिनका शिक्षक के दायित्व से दूर—दूर तक कोई संबंध नहीं होता। ऐसे बोझिल परिवेश में उससे छात्र के सर्वांगीण विकास की आपेक्षा करना स्वयं को धोखा देना ही तो है।' जबकि शिक्षक का काम बालक को अनघढ़ पत्थर से तराश कर हीरा बनाना है। अनुपयोगी को उपयोगी, आत्मकेन्द्रित को समाज केन्द्रित, परिष्कृत बना समाज के वातावरण को सकारात्मक बनाता है। यदि स्वयं को शिक्षित कहने व्यक्ति में यदि ये सब नहीं तो उसकी डिग्रियां, प्रमाण—पत्र कागज के टुकड़ें हैं। यदि इन्हें कोई नाम देना ही हो तो ये अभिभावकों द्वारा स्कूल या कालेज में फीस के रूप में अदा की गई राशि की रसीदें मात्र हैं। आधुनिकता और परंपरा का समन्वय, अपने पूर्वजों से प्राप्त श्रेष्ठ संस्कारों का संरक्षण करते हुए आधुनिक विज्ञान, तकनीक और प्रौद्योगिक का ज्ञान अर्जन और विस्तृत करना शिक्षा का प्रथम कर्तव्य होना चाहिए ।

कुछ वर्ष पूर्व शिक्षक दिवस समारोह में एक क्रांतिकारी मुख्यमंत्री जी (अब पूर्व) ने कहा, 'आज कहीं कोई आपराधिक घटना होती है तो राज्य का मुखिया पुलिस प्रमुख को बुलाकर कहता है, 'एक सप्ताह में सब ठीक होना चाहिए। मेरा स्वप्न है, जब भी कहीं कोई आपराधिक घटना हो तो मैं पुलिस चीफ को नहीं, शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों और शिक्षकों को बुलाकर कहूं 'एक सप्ताह में सब ठीक हो जाना चाहिए।' सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट हुई लेकिन मन—मस्तिष्क ने कहा, 'भावनाओं को उभारकर वोट तो पाये जा सकते हैं परंतु शिक्षा का भला नहीं हो सकता।' कार्यक्रम के पश्चात उनके पास इस बात का कोई जवाब नहीं था कि पुलिस के पास अधिकार हैं, वे दंड दे सकती है लेकिन शिक्षक तो उदंड छात्र को भी डांट तक नहीं सकता। जो खुद किसी तरह समय बिता रहा हो, उससे आप अपराधमुक्त समाज की आपेक्षा आखिर किस आधार पर और क्यों करते हो?

शायद ऐसे राजनेता और व्यवस्था यह समझने को तैयार नहीं कि शिक्षा का उद्देश्य मात्र अक्षर—ज्ञान नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य 'मस्तिष्क में ज्ञान, हृदय में गुण, शरीर में शक्ति और सभी जीवों के प्रति दया, करूणा, सौहार्द का संचार करना रहा है। शिक्षक और विद्यार्थी किसी भी राष्ट्र की नींव के वे पत्थर हैं जो तन से ही नहीं, चरित्र से भी मजबूत होने चाहिए। एक समय था जब छात्रों को गुरुकुल में रह कर शिक्षण के साथ व्यवस्था से संबंधित कार्य स्वयं करते थे लेकिन आज स्थिति यह है कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने छात्रों को अपने क्लासरूम और स्कूल में छोटे—मोटे कामों से जोड़ने की बात कही तो मीडिया ने वितंडा खड़ा कर दिया। गुरुकुल व्यवस्था में अभिभावक अपनी प्रिय संतान को गुरु को सौंपते हुए अपेक्षा करते थे कि उनके मार्गदर्शन में उनका पुत्र तेजस्वी, मनस्वी, वर्चस्वी, पूर्ण पुरुष बने। मनुष्यत्व प्राप्त करें। तब गुरु का आदर था। उसके प्रति राजा से समाज तक श्रद्धा थी।

नेपाल बाढ़ के बाद सड़क धंसने से काठमांडू का रास्ता बंद, हजारों वाहन फंसे

संवाददाता–कुशीनगर। काठमांडू का रास्ता बंद होने से हजारों वाहन फंस गए हैं। हेटौडा से लोकपथ मार्ग पर मकवानपुर गढ़ी, थिंगन छपेली होकर वाहनों को काठमांडू वन–वे से भेजा जा रहा है। सड़क क्षति के कारण जिस मार्ग से गाड़ियां जा रही हैं उस मार्ग से वापसी पर रोक है।

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ एवं जलप्रलय का असर देश की मुख्य यातायात व्यवस्था पर बेहद विकराल रूप में दिखाई देने लगा है। त्रिशूली नदी के प्रचंड उफान के बाद पृथ्वी राजमार्ग के कृष्णभीर क्षेत्र में भारी क्षति पहुंची है। मलेखु सड़क खंड के धंस जाने से काठमांडू को पश्चिमी एवं पूर्वी नेपाल से जोड़ने वाला मुख्य राजमार्ग पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे हजारों वाहनों की आवाजाही थम गई है। मुख्य राजमार्ग क्षतिग्रस्त होने के कारण अब यात्रियों एवं मालवाहक वाहनों को तीन वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है। पहला विकल्प हेटौंडा–दामन–पालुंग–नौबिसे होकर जाने वाला त्रिभुवन राजपथ है, जहां अत्यधिक मोड़ होने से सीमित क्षमता की यात्री बसें चल पा रही हैं। दूसरा मार्ग हेटौंडा–भीमफेदी–कुलेखानी होकर काठमांडू जाता है, जो सबसे संकरा होने से केवल हल्के निजी वाहनों के लिए उपयुक्त है। तीसरे विकल्प के रूप में हेटौंडा–मकवानपुरगढ़ी–ठिंगन– छपेली होते हुए ललितपुर पहुंचने वाले मार्ग है, जहां बड़े वाहनों का संचालन भी हो रहा है। नेपाल के रसुवा जिले में आए फ्लैश फ्लड के आपदा से जिले के 12 प्रमुख स्थान टिमुरे, रसुवागढ़ी, स्याफ्रूबेंसी, मैलुंग, बेट्रावती, धुन्चे, पैरेबेसी, खल्ली बस्ती, सोले, शान्तिबाजार, सल्लेटर एवं त्रिशूली क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित हैं। बाढ़ के उफान व मलबे के कारण टिमुरे, रसुवागढ़ी व स्याफ्रूबेंसी समेत कई इलाकों में ढांचागत संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। धादिंग जिले के मलेखु स्थित शीतल बाजार क्षेत्र में बाढ़ के दबाव से लगभग 60 मीटर सड़क का हिस्सा पूरी तरह धंस गया है। कृष्णभीर एवं मलेखु के समीप परेवाभीर में सड़क धंसने से यह पूरा सड़क खंड पूरी तरह अवरुद्ध पड़ा है। इसके अलावा हेटौंडा से कुलेखानी व चित्लांग होते हुए थानकोट पहुंचने वाले रास्ते का उपयोग भी हल्के वाहनों के लिए वैकल्पिक रूप में किया जा रहा है। नेपाल में आवागमन बाधित होने से गैस समेत अन्य आवश्यक वस्तओं की किल्लत हो गई है।

नेपाल की भीषण बाढ़ एवं भूस्खलन के बाद जिले की खुली अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े हजारों परिवारों के सामने अपनों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ी चिंता खड़ी हो गई है। नेपाल के आपदा प्रभावित इलाकों में मौजूद रिश्तेदारों, बेटी–दामाद एवं कारोबार के सिलसिले में गए लोगों से संपर्क न हो पाने के कारण सीमावर्ती इलाकों में परिजनों की रातें बेचौनी में बीत रही हैं। सड़कें टूटने, कई स्थानों पर यातायात ठप होने एवं बिजली–नेटवर्क सेवा ध्वस्त होने से संवाद का हर जरिया बंद पड़ गया है। महराजगंज व नेपाल का रिश्ता केवल दो देशों की सीमा भर का नहीं है, बल्कि यहां का ताना–बाना पारिवारिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संबंधों से बुना हुआ है। जिले के ठूठीबारी, बरगदवा, निचलौल, पारसमलिक, परसौनी, नौतनवा एवं सोनौली समेत तमाम सीमावर्ती कस्बों व गांवों के अनगिनत परिवारों की रिश्तेदारी नेपाल के तराई से लेकर पहाड़ी इलाकों तक है। नेपाल में भीषण आपदा की खबर आने के बाद से इन गांवों के घरों में चूल्हे तक ठंडे पड़ गए हैं। लोग लगातार फोन मिला रहे हैं, लेकिन उधर से नेटवर्क कवरेज से बाहर या स्विच ऑफ का संदेश ही मिल रहा है।

बहन से बात करने पर दोस्त का सिर मुंडाया, बेल्ट और लात–घूंसों से पीटा

संवाददाता–गोण्डा। बहन से फोन पर बात करने पर भाई ने दोस्त की पिटाई कर दी। भाई ने अपने साथियों के साथ मिलकर दोस्त के सिर के बाल छील दिए। दोस्त को आरोपी घर से कार में किडनैप कर ले गए। रास्ते भर उसे पीटा। उस पर बेल्ट चलाई, थप्पड़ मारे। इस दौरान युवक आरोपी लड़कों से माफी भी मांगता रहा। पिटाई के बाद लड़कों ने ट्रिमर से उसके बाल छील दिए। पुलिस ने 3 आरोपियों में 2 को हिरासत में लिया है। मामला करीब 20 दिन पुराना है। वीडियो गुरुवार शाम 5 बजे सामने आया। मामला नगर कोतवाली इलाके का है। मेवतियान निवासी आरिफ (19) के मुताबिक, वह अपने दोस्त की बहन से फोन पर बात करता था। इस बात का पता चलने पर कचहरी निवासी समीर, मेवतियान निवासी आसिफ और महाराजगंज के काशीराम कॉलोनी निवासी अमन ने उसे पकड़ लिया। तीनों ने आरिफ को बहाने से घर से बाहर बुलाया।

आरोप है कि तीनों लड़कों ने आरिफ को अपनी कार में बैठाया और एक सुनसान जगह पर ले गए। रास्ते पर उसे पीटते रहे। इस दौरान उसने कान पकड़कर मांगी भी मांगी। आरिफ को गाड़ी से उतारकर बेल्ट और लात–घूंसों से पीटा। दाढ़ी बनाने वाली मशीन मंगाकर आरिफ के सिर के बाल छील दिए।

आरिफ के साथ हुई मारपीट और मुंडन का आरोपियों ने वीडियो भी बनाया। बाद में वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया गया। वीडियो सामने आने के बाद आरिफ ने खुद को अपमानित महसूस किया और परिवार को बिना बताए चेन्नई चला गया। वह फिलहाल चेन्नई में है। सीओ नगर योगेंद्र सिंह ने बताया कि आरिफ नाम के युवक के साथ 3 लड़कों ने मारपीट की थी। मामले में नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने तीन आरोपियों में से दो को हिरासत में लिया है। तीसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया– युवक की पिटाई और मुंडन उसके दोस्त की बहन से फोन पर बात करने को लेकर किया गया था। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

सर्जरी वार्ड में डॉक्टर का नाम तक नहीं बता सके कर्मचारी

संवाददाता–कुशीनगर। स्वशासी राज्य मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. केपी गौंड ने गुरुवार को अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, इमरजेंसी, जनरल वार्ड, सर्जरी वार्ड और आईसीयू का निरीक्षण करने के साथ ही आइसोलेशन वार्ड को भी दोबारा चेक किया। इस दौरान सभी डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी मौके पर मौजूद मिले। प्राचार्य सबसे पहले ओपीडी में पहुंचे और एक–एक डॉक्टर के कक्ष में जाकर मरीजों को मिल रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके बाद सर्जरी वार्ड के निरीक्षण के दौरान प्राचार्य को ड्यूटी पर संबंधित डॉक्टर नहीं मिले। उन्होंने वहां मौजूद स्टाफ नर्स और अन्य कर्मियों से डॉक्टर के बारे में जानकारी मांगी, लेकिन कोई उनका नाम तक नहीं बता सका। इसी बीच वार्ड ब्वॉय ने बताया कि एक डॉक्टर आज ही ज्वॉइन किए हैं और उनका नाम पता नहीं है। वह सर्जरी ओटी में गए हैं। इस पर प्राचार्य ने नाराजगी जताते हुए कर्मचारियों को आपस में बेहतर समन्वय बनाकर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्यकर्मी एक–दूसरे से परिचित रहें और संबंधित डॉक्टरों के मोबाइल नंबर अपने पास जरूर रखें, ताकि किसी आपात स्थिति में जरूरत पड़ने पर तत्काल फोन कर उन्हें बुलाया जा सके। निरीक्षण के दौरान सीढ़ियों पर गंदगी मिलने पर प्राचार्य ने सुपरवाइजर को नियमित रूप से विशेष सफाई कराने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने नई पैथोलॉजी में चल रहे कार्यों का भी जायजा लिया। वहां आवश्यक छोटे–मोटे बदलाव को लेकर संबंधित कर्मचारियों को जरूरी निर्देश दिए।बाद में इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण करने पहुंचे।

राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में बस्ती मण्डल को तीसरा स्थान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम, बलिया में 30 अगस्त से 3 सितंबर तक आयोजित प्रदेश स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय फुटबॉल प्रतियोगिता में बस्ती मंडल के अंडर–19 बालक वर्ग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया। कांस्य पदक के लिए खेले गए मुकाबले में बस्ती मंडल ने मेजबान आजमगढ़ मंडल को 1–0 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। बस्ती मंडल के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए आजमगढ़ पर दबाव बनाया। पहले हाफ में आयुष ने शानदार गोल कर टीम को 1–0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद आजमगढ़ मंडल ने बराबरी के लिए कई प्रयास किए, लेकिन बस्ती के खिलाड़ियों ने मजबूत रक्षापंक्ति के साथ सभी हमलों को विफल कर दिया। निर्धारित समय तक बस्ती की बढ़त कायम रही। कप्तान अनुभव सिंह के नेतृत्व में टीम ने पूरी प्रतियोगिता में अनुशासन, जुझारूपन, खेल भावना और शानदार टीमवर्क का परिचय दिया। अंतिम सीटी बजते ही खिलाड़ियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

जिला विद्यालय निरीक्षक संजय सिंह ने टीम की सफलता पर खिलाड़ियों, कप्तान, प्रशिक्षकों, प्रबंधकों, शारीरिक शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल करना बस्ती मंडल के लिए गौरव की बात है। खिलाड़ियों की मेहनत और अनुशासन ने साबित किया है कि उचित मार्गदर्शन एवं निरंतर अभ्यास से बस्ती के खिलाड़ी प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। मंडलीय क्रीड़ा सचिव अमित कुमार यादव सहित प्रभाकर ओझा, मनोज कुमार राय, चंद्र प्रकाश पांडेय, जगन्नाथ यादव, रमेश चंद्र गुप्ता, विवेक कुमार श्रीवास्तव, अजय कुमार वर्मा, माता प्रसाद त्रिपाठी सहित शारीरिक शिक्षकों, प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों ने टीम को बधाई दी।

आंगनबाड़ी केंद्रों में कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सवः कान्हा-राधा बने नन्हे बच्चे, डांडिया रास पर थिरके

संवाददाता–बलरामपुर। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत बलरामपुर देहात और शहर के आंगनबाड़ी केंद्रों पर गुरुवार को विद्यालय अवधि में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई। नन्हे बच्चे कान्हा और राधा की वेशभूषा में नजर आए। कहीं कान्हा मोरपंख मुकुट और बांसुरी थामे दिखे तो कहीं पारंपरिक वेशभूषा में सजी राधाओं ने सभी का मन मोह लिया। जीरो बजट सजावट, डांडिया रास और बच्चों की प्रस्तुतियां कार्यक्रम का खास आकर्षण रहीं।

जन्माष्टमी उत्सव की शुरुआत आंगनबाड़ी केंद्रों की साफ–सफाई से हुई। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और माताओं ने पर्यावरण संरक्षण और कम खर्च का संदेश देते हुए आम–अशोक के पत्तों, फूलों, प्राकृतिक रंगों और घर में उपलब्ध अनुपयोगी सामान से केंद्रों को सजाया। चावल के आटे और प्राकृतिक रंगों से बनाई गई रंगोलियों के बीच सजी मटकियों ने केंद्रों की खूबसूरती बढ़ा दी।

उत्सव में सबसे आकर्षक नजारा तब देखने को मिला, जब पीले कपड़ों में सजे नन्हे कान्हा मोरपंख मुकुट, बांसुरी और घुंघरुओं के साथ केंद्रों पर पहुंचे। पारंपरिक वेशभूषा में सजी नन्हीं राधाओं ने भी अपनी बाल–सुलभ चंचलता से माहौल को भक्तिमय बना दिया। बच्चों ने कृष्ण भजन, सामूहिक बालगीत और डांडिया रास पर प्रस्तुतियां दीं। उनकी मासूम अदाओं और उत्साह ने माताओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और अभिभावकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए कार्यकत्रियों और माताओं ने उन पर फूल भी बरसाए।

जन्माष्टमी कार्यक्रम को सिर्फ सांस्कृतिक आयोजन तक सीमित नहीं रखा गया। माताओं के लिए जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें बच्चों के नियमित वजन की निगरानी, संतुलित और पौष्टिक आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता और समय से टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में साफ–सफाई का ध्यान रखते हुए बच्चों को माखन–मिश्री और पौष्टिक प्रसाद वितरित किया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित जन्माष्टमी उत्सव में संस्कृति, बच्चों की भागीदारी, पोषण जागरूकता और सामुदायिक जुड़ाव का संदेश एक साथ देखने को मिला। नन्हे कान्हा–राधा की खिलखिलाहट और डांडिया की थिरकन से आंगनबाड़ी केंद्रों का माहौल कृष्णमय हो गया।

रेल परियोजना के मुआवजे पर किसानों–व्यापारियों का विरोध

संवाददाता–कुशीनगर। छितौनी–तमकुही रेल परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण का मामला एक बार फिर चर्चा में है। प्रभावित किसानों और व्यापारियों ने जमीन का उचित मुआवजा नहीं मिलने का आरोप लगाया है। गुरुवार को कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व विधायक अजय कुमार लल्लू ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर प्रभावित लोगों की समस्याएं रखीं। उन्होंने क्ड को ज्ञापन सौंपकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की।

अजय कुमार लल्लू गुरुवार सुबह करीब 11 बजे जिलाधिकारी से मिलने पहुंचे। उन्होंने प्रभावित किसानों और व्यापारियों की समस्याओं से क्ड को अवगत कराया। लल्लू ने बताया कि छितौनी–तमकुही रेल परियोजना के लिए कुछ साल पहले फैसला लिया गया था। अब जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया के दौरान मुआवजे को लेकर प्रभावित लोगों में नाराजगी है।

अजय लल्लू के मुताबिक, जटहां बाजार क्षेत्र में परियोजना के लिए जिन किसानों और व्यापारियों की जमीन ली जा रही है, उनमें बड़ी संख्या में जमीनें कमर्शियल हैं। उनका आरोप है कि इन जमीनों का मुआवजा खेती की जमीन के हिसाब से तय किया जा रहा है। उन्होंने इसे व्यापारियों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि कमर्शियल जमीन का मूल्यांकन उसी आधार पर किया जाना चाहिए।

लल्लू ने कहा कि व्यापारियों की जमीन और उनकी रोजी–रोटी दोनों प्रभावित हो रही हैं। इसके बावजूद उन्हें उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा लगता है जैसे एक ही देश में दो कानून लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने क्ड से मामले में हस्तक्षेप कर प्रभावित लोगों को नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाने की मांग की।

अजय लल्लू ने बताया कि जिलाधिकारी ने प्रभावित लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मामले को देखने के बाद जरूरी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। जमीन के उचित मुआवजे की मांग को लेकर प्रभावित किसानों और व्यापारियों में लगातार नाराजगी बनी हुई है।

छितौनी–तमकुही रेल परियोजना पिछले कुछ वर्षों से धीमी गति से आगे बढ़ रही थी। अब जमीन अधिग्रहण और उचित मुआवजे की मांग को लेकर विवाद फिर सामने आया है। प्रभावित लोगों का कहना है कि परियोजना के लिए जमीन लेने से पहले उन्हें उनकी जमीन के वास्तविक उपयोग और बाजार मूल्य के आधार पर उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

हरि गोपाल धाम पहुंचे बृजभूषण शरण सिंह, जगद्गुरु रामदिनेशाचार्य से हुई भेंट मुलाकात

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या की आध्यात्मिक धरा पर स्थित प्रसिद्ध पीठ श्री हरि गोपाल धाम में मंगलवार को कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पहुंचे। उन्होंने पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य जी महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान संत परंपरा, अध्यात्म और अयोध्या की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़े विभिन्न विषयों पर आत्मीय चर्चा हुई।पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने संतों के सानिध्य को आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत बताते हुए अयोध्या की सनातन परंपरा और धार्मिक–सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की आवश्यकता पर विचार साझा किए। जगद्गुरु रामदिनेशाचार्य महाराज ने भी उन्हें आशीर्वाद प्रदान करते हुए धर्म और संस्कृति के प्रति समर्पण की भावना को महत्वपूर्ण बताया।इस अवसर पर जन्माष्टमी पर्व के पूर्व ब्रह्माकुमारी से जुड़े ब्रह्माकुमार मुकेश ने पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का विशेष रूप से अभिनंदन किया। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण का चित्र, अंगवस्त्र और चंदन रखने का विशेष पात्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। श्रीकृष्ण के चित्र और अंगवस्त्र के साथ हुए इस सम्मान में भक्ति और सांस्कृतिक चेतना की सुंदर झलक दिखाई दी।हरि गोपाल धाम का वातावरण संत–सानिध्य और आध्यात्मिक संवाद से ओतप्रोत रहा।उपस्थित लोगों ने कहा कि अयोध्या की पहचान केवल मंदिरों और धार्मिक स्थलों से नहीं, बल्कि यहां की जीवंत संत परंपरा, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना से भी है। ऐसे अवसर इस परंपरा को और अधिक सुदृढ़ करते हैं।इस दौरान सोनू सिंह, राहुल सिंह, महेंद्र जी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

आध्यात्मिक एवं अयोध्या की सांस्कृतिक परंपराओं पर हुई चर्चा, जन्माष्टमी पूर्व भगवान श्रीकृष्ण के चित्र व अंगवस्त्र से किया सम्मान

एरिया बंटवारे को लेकर किन्नरों के दो गुटों में मारपीट

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र में गुरुवार को एरिया बंटवारे को लेकर किन्नरों के दो गुटों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते यह विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि एक गुट ने दूसरे पक्ष के साथ मारपीट की और उनकी बोलेरो गाड़ी को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना में बोलेरो चालक भी घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गए थे। जानकारी के अनुसार, कप्तानगंज निवासी राहुल बोलेरो चालक है। गुरुवार को वह बोलेरो में कुछ किन्नरों को बैठाकर पनियरा थाना क्षेत्र के एक गांव में बधाई लेने जा रहा था। इसी दौरान नगर पंचायत पनियरा के वार्ड नंबर पांच स्थित कबीर नगर के पास दूसरे गुट के लोग दो गाड़ियों से वहां पहुंच गए। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि दूसरे गुट के लोगों ने एरिया को लेकर विवाद शुरू कर दिया और देखते ही देखते मारपीट करने लगे। हमलावरों ने बोलेरो में भी तोड़फोड़ की, जिससे गाड़ी पूरी तरह टूट गई। मारपीट के दौरान चालक राहुल को भी चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित पक्ष से जुड़े क्षेत्र के करीब दो दर्जन किन्नर मौके पर पहुंच गए। इसके बाद सभी लोग थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। थाने पहुंचकर उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस से मामले में जल्द कार्रवाई करने की मांग की।

झूले पर विराजे राम–जानकी, भक्ति में झूमी रामनगर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भादो कृष्ण पंचमी को जानकी बाग में भक्ति और परंपरा का अद्भुत संगम दिखाई दिया। श्री सद्गुरु सदन के 122 वर्ष पुराने झूलनोत्सव का शनिवार को विधिविधान से समापन हुआ। एक माह पांच दिन तक चले इस उत्सव के अंतिम दिन भगवान श्रीराम और माता जानकी को झूला झुलाने के लिए हजारों श्रद्धालु उमड़े। देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे कलाकारों ने भक्ति पदों का गायन कर ठाकुरजी को रिझाया तो संत–महंत और श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।श्री सद्गुरु सदन में झूलनोत्सव की यह परंपरा करीब 122 वर्ष पुरानी है। स्वामी रामवल्लभा शरण महाराज ने आषाढ़ पूर्णिमा के दिन झूलनोत्सव का शुभारंभ किया था। परंपरा के अनुसार भादो मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी को जानकी बाग में इसका समापन किया जाता है। वर्तमान पीठाधीश्वर महंत सियाकिशोरी शरण महाराज के सानिध्य में इस वर्ष भी ठाकुरजी एक माह पांच दिन तक झूले पर विराजमान रहे। समापन समारोह में अयोध्या ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों ने भगवान के समक्ष भक्ति पद प्रस्तुत किए। पदों की मधुर स्वर लहरियों के बीच श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम और माता जानकी को झूला झुलाया। दोपहर से ही जानकी बाग में मेले जैसा दृश्य रहा। श्रद्धालुओं के लिए जलेबी, समोसा, खीर सहित विभिन्न प्रसाद वितरित किए गए।श्री सद्गुरु सदन के अधिकारी बालमुकुंद शरण महाराज ने कहा कि आचार्यों द्वारा स्थापित परंपरा आज भी उसी श्रद्धा और निष्ठा से निभाई जा रही है। एक माह पांच दिन तक ठाकुरजी झूले पर विराजमान होकर भक्तों को आनंद प्रदान करते हैं। भादो कृष्ण पंचमी को जानकी बाग में होने वाला समापन इस परंपरा का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है। अब अगले झूलनोत्सव के लिए श्रद्धालुओं को करीब 11 माह प्रतीक्षा करनी होगी।झूलनोत्सव के समापन का साक्षी बनने के लिए अयोध्या के अनेक संत–महंत भी जानकी बाग पहुंचे।भगवान के दर्शन कर संतों ने उत्सव में सहभागिता की। गया शरण महाराज सहित सैकड़ों संत–महंत और श्रद्धालु मौजूद रहे। झूलनोत्सव के समापन के साथ ही रामनगरी में इस वर्ष के झूलनोत्सव का विधिवत पटाक्षेप हुआ।

राहुल गांधी हिंदू को नजरअंदाज कर राजनीति नहीं कर सकते -बृजभूषण

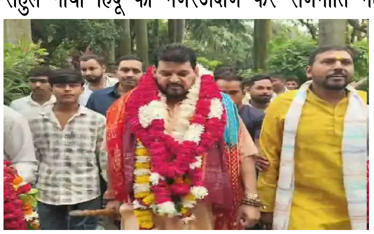

संवाददाता–गोण्डा। कैसरगंज से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने गुरुवार दोपहर 2 बजे मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी की नागरिकता, संविधान की लाल किताब और हनुमान जी की गदा दिखाने, कांग्रेस नेता इमरान मसूद के 2027 में कांग्रेस की मजबूती वाले बयान समेत कई मुद्दों पर अपनी राय रखी।

बृजभूषण शरण सिंह ने राम जन्मभूमि ट्रस्ट में जितेंद्र मिश्रा को सीईओ बनाए जाने पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि जितेंद्र मिश्रा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में अच्छा काम किया था, लेकिन अयोध्या की परिस्थितियां अलग हैं। उन्होंने कहा कि यहां 'गुप्त शत्रु' हैं, इसलिए नए सीईओ को सावधानी से काम करना होगा।

राहुल गांधी द्वारा संविधान की लाल किताब और हनुमान जी की गदा दिखाए जाने को लेकर बृजभूषण ने कहा कि देश में कोई भी राजनीतिक व्यक्ति या दल हिंदू समाज और हिंदू देवी–देवताओं को नजरअंदाज करके नहीं चल सकता। उन्होंने कहा कि ऐसा करने वालों का राजनीतिक परिणाम 'जीरो' रहेगा।

राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता को लेकर दायर अपील खारिज होने पर बृजभूषण ने कहा कि इस पर कटाक्ष करने जैसी कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि यह अदालत का फैसला है और राहुल गांधी अभी नेता प्रतिपक्ष और सांसद हैं।

नेपाल की प्रधानमंत्री द्वारा भारत और चीन दोनों की तारीफ किए जाने के सवाल पर बृजभूषण ने कहा कि भारत हमेशा नेपाल के सुख–दुख में साथ खड़ा रहा है। दोनों देशों के बीच लोगों का आना–जाना और मिली–जुली संस्कृति है।

उन्होंने चीन की गतिविधियों पर टिप्पणी करते हुए हाल में छोड़े गए पानी को लेकर चल रही एक अफवाह का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऐसी चर्चा है कि इसमें चीन का षड्यंत्र हो सकता है, लेकिन वह इसकी पुष्टि नहीं करते।

कांग्रेस नेता इमरान मसूद के 2027 में कांग्रेस के मजबूत होने के बयान पर बृजभूषण ने कहा कि हर राजनीतिक दल और नेता खुद को मजबूत बताता है। आने वाले समय में पता चलेगा कि कौन कितना मजबूत है।

तालाब में नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मौत

संवाददाता–बहराइच। गुरुवार शाम करीब 3 बजे सिरकुंडा तालाब में नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने करीब दो घंटे तक तालाब में तलाश की। शाम करीब 5 बजे दोनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए। गोताखोरों की टीम के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को तालाब से बाहर निकाल लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों बच्चों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

रुपईडीहा थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत मकनपुर के नारा नजोत मजरे के पास यह हादसा हुआ। सलारपुर, मल्हीपुर निवासी संदीप वर्मा (14) अपने ननिहाल शिव बढ़िया गांव में रामनाथ वर्मा के घर आया था। वह गांव के ही दीपेंद्र सोनकर (12) के साथ गांव के उत्तर दिशा में स्थित सिरकुंडा तालाब में नहाने गया था। नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए और डूब गए।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण तालाब पर जुट गए। पुलिस को सूचना देने के साथ ग्रामीणों ने बच्चों की तलाश शुरू कर दी। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दोनों के शव तालाब से बाहर निकाले गए। इसी बीच गोताखोरों की टीम भी मौके के लिए रवाना हुई थी। दीपेंद्र माता–पिता का बड़ा बेटा था और गांव के ही विद्यालय में कक्षा 7 में पढ़ता था। उसका एक छोटा भाई है। उसके पिता दिल्ली में मजदूरी करते हैं। वहीं, संदीप वर्मा पुत्र ननके वर्मा अपने माता–पिता की दो संतानों में छोटा बेटा था। वह सलारपुर गांव में कक्षा 5 में पढ़ता था। उसके पिता किसान हैं और मजदूरी भी करते हैं।

मृतक के चाचा रामकुमार सोनकर ने बताया कि दोनों बच्चे गांव के बाहर आए हुए थे। इसी दौरान वे तालाब में नहाने चले गए। गहरे पानी में जाने से दोनों डूब गए और उनकी मौत हो गई।

धागा फैक्ट्री में श्रमिकों का प्रदर्शन, प्रबंधन को हड़ताल की नोटिस

संवाददाता–गोरखपुर। नगर के गाहासाड़ स्थित महावीर सिंटेक्स मिल (धागा फैक्ट्री) के श्रमिक मांगों को लेकर प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन का रुख अख्तियार कर रहे है। गुरुवार को श्रमिकों ने तहसील में प्रदर्शन कर औद्योगिक विवाद अधिनियम –1947 की धारा 22 के तहत हड़ताल की नोटिस दी। मांग पत्र और नोटिस की प्रतिलिपि एसडीएम को सौंप प्रतिलिपि अधिकारियों की भेज समस्याओं के समाधान की मांग की। महावीर सिंटेक्स मिल श्रमिक संघ के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रम विभाग ने 17 अप्रैल 26 को मिल कर्मचारियों के वेतन निर्धारण की प्रक्रिया को लेकर पत्र जारी किया था, लेकिन अब तक इसका लाभ कर्मचारियों को नहीं मिला है। संघ ने वेतन निर्धारण को प्रमुख मांग बताते हुए प्रबंधन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।श्रमिकों ने प्रत्येक शिफ्ट में समान रूप से ड्यूटी देने, पुराने कर्मचारियों को काम से नहीं हटाने और पात्र कर्मियों को स्थायी करने की मांग उठाई है। संघ का आरोप है कि निर्धारित समय के बाद भी श्रमिकों को ड्यूटी पर रोका जाता है, लेकिन ओवर टाइम का भुगतान नहीं किया जाता है। मानक से अधिक मशीन चलाने का दबाव बनाने की बात भी कही गई है।कर्मचारियों को कुशल कार्य के अनुरूप वेतन देने, वेतन पर्ची उपलब्ध कराने, पीएफ और ईएसआई का पूरा हिसाब देने तथा सेवानिवृत्त कर्मियों की लंबित ग्रेच्युटी का भुगतान करने की मांग की गई है। मांगों का निस्तारण नहीं हुआ तो कर्मचारी हड़ताल करने के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान मंत्री विजय सिंह समेत अन्य श्रमिक मौजूद रहे। महावीर सिंटेक्स के साथ पूर्व में जूट मिल का भी संचालन होता था। बाजार में जूट उत्पादों की मांग घटने और श्रमिकों के आंदोलन के बाद प्रबंधन ने आठ दिसंबर 2024 को इसका संचालन बंद कर दिया था। इससे करीब 1200 श्रमिक बेरोजगार हो गए थे।

राम मंदिर ट्रस्ट के नवनियुक्त पदाधिकारियों की पहली बैठक सम्पन्न

संवाददाता–अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में नई जिम्मेदारियां तय होने के बाद गुरुवार को नवनियुक्त पदाधिकारियों की पहली बैठक सम्पन्न हुई। रामघाट स्थित कार्यशाला के श्रीराम जन्मभूमि क्षेत्र कार्यालय में हुई बैठक में ट्रस्ट की नई प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर मंथन किया गया। बैठक के बाद बाहर निकले नवनियुक्त सीईओ ने कहा कि हमने आज बैठक में एक दूसरे से परिचय किया और कई मुद्दों पर चर्चा की। हम आगे कई और बैठकें करेंगे जिससे कि मैं यहां के काम को पूरी तरह समझ लूं फिर अपना कार्यभार ग्रहण करूंगा। उन्होंने कहा कि मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि मुझे प्रभु श्रीराम और रामभक्तों की सेवा करने का अवसर मिला है। बैठक में राम मंदिर के नवनियुक्त सीईओ पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा, महासचिव गोविंद देवगिरी, कोषाध्यक्ष महेश भागचंद, ट्रस्टी मदन मोहन पांडे सहित अकाउंटिंग व्यवस्था से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

ट्रस्ट में पदाधिकारियों के बदलाव के बाद हुई यह पहली बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें मंदिर ट्रस्ट के कामकाज और वित्तीय व्यवस्था को लेकर आगे की कार्ययोजना पर चर्चा होने की बातें कही जा रही थीं। बैठक में सभी पदाधिकारियों का एक दूसरे से परिचय करने के बाद, लेखा–जोखा, अकाउंटिंग व्यवस्था और ट्रस्ट के प्रशासनिक कामकाज से जुड़े विषयों पर भी पदाधिकारियों को जानकारी दी गई। नवनियुक्त सीईओ जितेंद्र मिश्रा के पदभार संभालने के बाद ट्रस्ट कार्यालय में हुई यह पहली अहम बैठक है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–557/2025
राधेश्याम
बनाम
राजाराम आदि

1– राजाराम उम्र लगभग 60 साल 2. ओंकार उम्र लगभग 50 साल 3. रंकार उम्र लगभग 40 साल पुत्रगण स्व0 हरीराम साकिनान मौजा मुसहा तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 13–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 13 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
कायमी वाद सं0– /2024
क0 वाद सं0 D202517140002760
धारा 109 (क) जो0च0अधि0
अदालत– श्रीमान अति0 अधिकारी महोदय प्रथम बस्ती जिला–बस्ती
मो0 उस्मान
बनाम
बालेन्द्र आदि

आराजी मौजा कल्यानपुर तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम जिला बस्ती

1. बालेन्द्र 2. हरिश्चन्द्र पुत्रगण रामनरेश 3. राममिलन 3. बुधिराम पुत्रगण बुद्धू साकिनान सोढ़री तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम जिला बस्ती 5. श्रीमती नीलम पाण्डेय पत्नी प्रदीप कुमार 6. श्रीमती सुनीता पाण्डेय पत्नी संदीप पाण्डेय साकिन डिलिया तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 7. श्रीमती उर्मिला पत्नी विनोद साकिन जामडीह तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 8. सरकार उ0प्र0 जरिये कलेक्टर बस्ती

तारीख पेशी 21–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

मुसलमानों ने चार बार यादव को सीएम बनाया अब मुसलमान को मुख्यमंत्री बनाएं अखिलेश यादव –ओम प्रकाश राजभर

संवाददाता–अंबेडकरनगर। जिले के प्रभारी व प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा और कांग्रेस के संभावित गठबंधन पर तीखा हमला बोला। बृहस्पतिवार को सर्किट हाउस में उन्होंने कहा कि सपा किसी से भी गठबंधन कर ले, 2027 में सरकार बनाने का उसका सपना पूरा नहीं होगा। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में विकास के लिए योगी मॉडल की पहचान बनी है और 2027 में योगी आदित्यनाथ तीसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे।

शिवपाल यादव के सपा–कांग्रेस गठबंधन संबंधी बयान पर राजभर ने कहा कि गठबंधन करने से सपा की राजनीतिक स्थिति नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़कों और रेल कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है और विकास के काम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वह राममनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण को अपना आदर्श बताते हैं, लेकिन उनके नाम पर बने

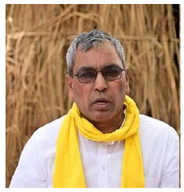

जेपीएनआईसी में 200 करोड़ रुपये के बजाय 865 करोड़ रुपये खर्च होने और काम पूरा न होने का आरोप है। उन्होंने इसे बड़ा घोटाला बताया।

राजभर ने सपा के पीडीए को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछली बार 2017 और दूसरी बार 2022 में हार मिली, अब 2027 में भी हार होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान केवल एक जाति को बढ़ावा दिया गया और 20 प्रतिशत मुसलमानों के साथ धोखा हुआ। उन्होंने कहा कि मुसलमानों ने चार बार यादव को मुख्यमंत्री बनाया है, इसलिए अब यादवों का कर्तव्य है कि एक बार किसी मुस्लिम नेता को मुख्यमंत्री बनाएं।

पंचायती राज विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अधिकारी किसी को समय नहीं देते और मौके पर जाकर काम देखने के बजाय कार्यालयों में बैठकर ही काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बरात घरों का निर्माण करीब डेढ़ साल से चल रहा है, लेकिन अभी तक केवल 32 स्थानों पर काम शुरू हो पाया है। कई स्थानों की डीपीआर तक तैयार नहीं हुई है। मंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से पैसा दिया जा रहा है, लेकिन अधिकारी क्षेत्र में नहीं घूम रहे हैं। फिलहाल जिले में कामकाज डीएम के भरोसे चल रहा है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
कायमी वाद सं0– /2024
क0 वाद सं0 D202517140002760
धारा 109 (क) जो0च0अधि0
अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी सोनूपार बस्ती जिला–बस्ती
महीबुल्लाह
बनाम
उम्मेसलमा आदि

साकिन बैदौली उर्फ दुबौली तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

1. उम्मेसलम पुत्री खैरूल्लाह 2. मनव्वर अली 3. मोहम्द मुस्तकीम 4. मोहम्मद मुस्तफा 5. हजरत अली 6. अजमत अली पुत्रगण लालजादे निवासीगण मौजा बैदौली उर्फ दुबौली तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 7. ग्राम पंचायत बैदौली उर्फ दुबौली तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 23–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 03 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–278/25
क0 वाद सं0 D202517140002760
धारा 30 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान अपर कलेक्टर बस्ती जिला–बस्ती
रविन्द्रनाथ आदि
बनाम
समयदीन आदि

साकिन नियामतपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

1. समयदीन पुत्र हरनरायन साकिन नियामतपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती हाल मुकाम महादेव पोस्ट वाल्टरगंज तहसील सदर जिला बस्ती 2. शेषमणि पुत्र रामलौट साकिन हरदिया शुक्ल तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती 3. रामजनक 4. हरिशंकर पुत्रगण जयराम साकिन हरदिया शुक्ल तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती 5. अम्बिकेश्वर 6. कपिलेश्वर 7. सिदेश्वर 8. कमलेश्वर पुत्रगण रामचेत 9. श्रीमती सरोज पत्नी रामचेत साकिन विलौड़ीशुक्ल तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 15–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। – द0 हाकिम

प्रेस विज्ञप्ति

पटेल एस एम एच हॉस्पिटल एण्ड आयुष पैरामेडिकल कालेज, गोटवा (मरहा) कटया, बस्ती में उ०प्र० होम्योपैथिक मेडिसिन बोर्ड, लखनऊ द्वारा संचालित डिप्लोमा इन होम्योपैथिक फार्मेसी (D.H.P.) कोर्स में सत्र 2026-28 हेतु प्रवेश आमंत्रित किए जाते है। इच्छुक छात्र / छात्राएं कालेज के ई-मेल पर अपना दस्तावेज भेजकर या कालेज से संपर्क कर प्रवेश करा सकते है।

प्रवेश मेरिट के आधार पर होगा।

ई मेल आई०डी० – dr.alokranjan108@gmail.com
सम्पर्क – 9450000375, 9839735888

आज्ञा से
प्राचार्य
पटेल एस एम एच हॉस्पिटल एण्ड आयुष पैरामेडिकल कालेज
गोटवा (मरहा) कटया, बस्ती
कोड - CL - 1043

फटा सिलेंडर, धमाके से ढहा मकान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत टेऊवा ग्रांट के टोला मोहम्मद नगर (छोटा डीह) स्थित दलित बस्ती में बुधवार रात एलपीजी सिलेंडर में हुए भीषण विस्फोट से पूरा इलाका दहल उठा। धमाका इतना तेज था कि मकान की पक्की ईंट की दीवारें भरभराकर गिर गईं और घर में रखा कपड़ा, बिस्तर, बर्तन व अनाज समेत अधिकांश घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना रात करीब साढ़े आठ बजे की है। राम दुलारे पुत्र सुकई के मकान की ऊपरी मंजिल पर उनकी बहू ज्ञानमती देवी खाना बना रही थीं। इसी दौरान गैस रेगुलेटर में अचानक आग लग गई। उन्होंने कपड़े से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग सिलेंडर तक पहुंच गई और लपटें तेजी से फैलने लगीं।

शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने कथरी, गुदरी और पानी की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सिलेंडर लगातार धधकता रहा। स्थिति बिगड़ती देख सभी लोग मकान से बाहर निकलकर सड़क पर आ गए। कुछ ही क्षण बाद तेज धमाके के साथ सिलेंडर फट गया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–1279/2021
अजय कुमार
बनाम
रामअचल सिंह आदि

1– रामअचल सिंह उम्र 70 साल पुत्र सूर्यबहादुर निवासी मौजा नागपुर तिकैत तप्पा बनगवा परगना अमोढा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 23–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

गजाधर सिंह अंगद सिंह एकेडमी में हर्षोल्लास से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

–भारतीय बस्ती संवाददाता– हर्रैया (बस्ती)। गजाधर सिंह अंगद सिंह एकेडमी, हर्रैया–बस्ती में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा के मनमोहक स्वरूप धारण कर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया।

नन्हे कलाकारों की आकर्षक वेशभूषा, मनमोहक प्रस्तुतियों एवं उत्साह से विद्यालय परिसर कृष्णमय हो उठा। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों तथा प्रेम, करुणा, सत्य और कर्तव्य के संदेश से परिचित कराया गया।

कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र–छात्राओं में अग्रिमा शुक्ला, शन्विका राठौर, सान्वी उपाध्याय, मोहम्मद असद, मोहम्मद यूसुफ, अनाया सिंह, संस्कार सिंह, श्रेया, सुप्रिया, आशुतोष, ऋषभ प्रजापति, आशुतोष सिंह, अन्वी पटेल, निखिल, तनिष्का, प्रज्ञान, दृश्य सिंघला, रुद्र वर्मा, वृतिका पाण्डेय, वैष्णवी गुप्ता, अद्विक श्रीवास्तव, आयुष सोनी, कनक, वीर प्रताप, जय शर्मा, शुभि पाण्डेय, रुशांक वर्मा, मानवी विश्वकर्मा, अर्हिका श्रीवास्तव, शिवांशु

मिश्रा, सौम्या, आराध्या सिंह, वंशिका चौहान, सुहानी चौधरी, अनुश्री शुक्ला, अन्वी सिंह, आश्वी एवं कार्तिक सिंह शामिल रहे।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय परिवार द्वारा बच्चों के उत्साह एवं प्रतिभा की सराहना की गई तथा उन्हें भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण पंकज सिंह, दिनेश पाण्डेय, प्रभाकर पाण्डेय, सुधीर पाठक, दिनेश मिश्रा, पवन मिश्रा, रामनरेश शर्मा, शिवराम पटेल, अमित मिश्रा, कैलाश त्रिपाठी, अलगू प्रसाद, कृष्ण मोहन गुप्ता, राकेश यादव, मृत्युंजय यादव, कमलेश शुक्ला, धनवंत शुक्ला, प्रवीण सिंह, संतोष श्रीवास्तव, अमरनाथ केसरवानी, प्रद्युम्न उपाध्याय, सुनील मौर्या, राकेश कुमार यादव, अंजू श्रीवास्तव, अंजली सिंह, बीनू पांडे, वर्तिका श्रीवास्तव, निहारिका सिंह, पूनम सिंह, मुस्कान यादव, सोनी शुक्ला, अनीता सिंह, प्रियंका पाण्डेय, संध्या त्रिपाठी, हिमांशु मिश्रा, सपना सिंह, सिमरन सिंह, पद्मा मिश्रा, मधु शर्मा, कामना त्रिपाठी, संध्या श्रीवास्तवा, श्रुति श्रीवास्तव, वंदना विश्वकर्मा, विधि पाण्डेय, संयोगिता श्रीवास्तव, सुनील सिंह एवं अमिरून सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

विद्यालय प्रधानाचार्य सुभाष त्रिपाठी ने सभी छात्र–छात्राओं एवं अभिभावकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

रोडवेज बस ने बाइक को मारी टक्कर, 27 दिन के नवजात और मां की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। गुलरिहा क्षेत्र के मोगलहा स्थित बुलेट एजेंसी के पास बृहस्पतिवार सुबह तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार महिला और उसके 27 दिन के नवजात बेटे की मौके पर ही मौत हो गई जबकि महिला के ससुर को मामूली चोटें आईं। सूचना पर पहुंची गुलरिहा पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल रोडवेज बस को कब्जे में ले लिया है। हादसे के बाद से मौके पर जाम लग गया।

जानकारी के मुताबिक, महराजगंज जिले के पनियरा थाना क्षेत्र के जंगल बड़हरा निवासी निजामुद्दीन बृहस्पतिवार सुबह बाइक से बहू अफसाना (35), पत्नी अजबुद्दीन और 27 दिन के पोते हमजा को इलाज के लिए गोरखपुर लेकर जा रहे थे। मोगलहा स्थित बुलेट एजेंसी के पास पीछे से आ रही रोडवेज बस ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि अफसाना और उसके नवजात बेटे हमजा की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में निजामुद्दीन को भी चोटें आईं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी परिजन को दी।

बताया जा रहा है कि मृतका का पति विदेश में है। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक जेपी पाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत– श्रीमान अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश ई0सी0 एक्ट महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण अपील सं0–159/2026
शिव कुमार शास्त्री
बनाम
केशरी प्रसाद मिश्र आदि

1. केशरी प्रसाद मिश्र उम्र लगभग 53 साल पुत्र श्यामसुन्दर मिश्र साकिन मौजा पिपराचन्द्रपति हाल मुकाम मोहल्ला पंण्डित टोला पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती पोस्ट पुरानी बस्ती (मृतक)
1/1 चन्द्रावती उम्र लगभग 55 वष पत्नी केशरी प्रसाद 1/2 अमिलेश्वर मिश्र उम्र 29 वर्ष (मृतक) 1/3 आशीष मिश्र उम्र 24 वर्ष पुत्रगण केशरी प्रसाद 2. देवानन्द मिश्र उम्र लगभग 48 साल पुत्रद श्यामसुन्दर मिश्र मौजा पिपराचन्द्रपति हाल मुकाम मोहल्ला पंण्डित टोला पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती पोस्ट पुरानी बस्ती 3. रामजी चौरसिया उम्र 62 साल पुत्र कामता प्रसाद निवासी बस्ती खास पठान टोला तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 17–09–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 17 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–915/2024
प्रेमा देवी
बनाम
राधेश्याम

1– राधेश्याम उम्र लगभग 53 वर्ष पुत्र दिनई निवासी मोहल्ला महरीखांवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव पोस्ट गांधीनगर तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

तारीख पेशी 30–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

हिस्ट्रीशीटर को मारी गोली, क्रेटा-पिस्टल समेत तीन बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा क्षेत्र के खैराबाद गांव के डूडी चौराहे पर बुधवार रात पैसे के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में गोली चलाने के मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों के नाम विशु चौधरी पुत्र रतनलाल निवासी डूडी, विजय पासवान पुत्र राजेश पासवान निवासी चकदेइया और मोनू मौर्या पुत्र राजेश मौर्या निवासी चौरी खास हैं। पुलिस ने इनके पास से घटना में प्रयुक्त क्रेटा कार, एक पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल और 10,870 रुपये नकद बरामद किए हैं। गुरुवार को तीनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि खोराबार क्षेत्र के डांगीपार निवासी अतुल ने खैराबाद के रतन लाल चौधरी से एक लाख रुपये लिए थे। पैसा न देने पर रतन के परिवार वाले अतुल को अपने गांव ले आए। विवाद होने पर अतुल ने अपने सहयोगी महदेवा जंगल निवासी हिस्ट्रीशीटर दुर्गेश चौधरी (40) को बुला लिया। कहासुनी में दुर्गेश को पैर में गोली लग गई। उसका इलाज चल रहा है।कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में एसएसआई संतोष कुमार सिंह, चौकी प्रभारी मुंडेरा बाजार अशोक शर्मा सहित टीम ने की।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com